भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3510
21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कोनासीमा, आंध्र प्रदेश में स्वास्थ्य अवसंरचना

3510. श्री जी. एम. हरीश बालयोगी:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आंध्र प्रदेश राज्य के कोनासीमा जिले में संचालित स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों/अस्पतालों की संख्या और ब्यौरा क्या है, जिनमें सरकारी, निजी और विशेष अस्पताल शामिल हैं, विशेषकर उनकी क्षमता और उनमें उपलब्ध सुविधाएं क्या हैं;
(ख) कोनासीमा जिले में सभी स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों/अस्पतालों में वर्तमान में उपलब्ध चिकित्साकर्मियों की विशेषकर डॉक्टर (विशेषज्ञ और सामान्य), नर्स, पैरामेडिक्स और अन्य कर्मचारियों की वर्गीकृत स्वास्थ्य केन्द्रवार संख्या और ब्यौरा क्या है;
(ग) कोनासीमा जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों/अस्पतालों में वर्तमान में रिक्त पदों का ब्यौरा क्या है, रिक्तियों के कारण क्या हैं तथा उन्हें भरने के लिए स्वास्थ्य केन्द्र-वार और पद-वार क्या कदम उठाए जा रहे हैं;
(घ) कोनासीमा में डॉक्टर-रोगी और नर्स-रोगी अनुपात क्या है तथा इन अनुपातों को सुधारने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ङ) कोनासीमा जिले के सरकारी अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सा उपकरणों, नैदानिक सुविधाओं और गहन देखभाल इकाइयों की उपलब्धता से संबंधित ब्यौरा क्या है?
(च) क्या सरकार की कोनासीमा जिले में स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों को मजबूत बनाने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) कोनासीमा जिले में टेलीमेडिसीन और डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की उपलब्धता और कार्यान्वयन संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): हेल्थ डायनामिक्स ऑफ इंडिया (एचडीआई) (अवसंरचना और मानव संसाधन), 2022-23 एक वार्षिक प्रकाशन है, जो राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा रिपोर्ट किए गए स्वास्थ्य परिचर्या प्रशासनिक आंकड़ों पर आधारित है। स्वास्थ्य कर्मियों की स्थिति के साथ कोनासीमा जिले सहित आंध्र प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कार्यशील प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), उप-जिला/मंडल अस्पतालों (एसडीएच), जिला अस्पतालों (डीएच) और मेडिकल कॉलेजों (एमसी) का

विवरण एचडीआई 2022-23 के निम्नलिखित लिंक पर देखी जा सकती है:
https://mohfw.gov.in/sites/default/files/Health%20Dynamics%20of%20India%20%28Infrastructure%20%26%20Human%20Resources%29%202022-23_RE%20%281%29.pdf

इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, आंध्र प्रदेश राज्य में कुल 153 निजी अस्पताल कार्यशील हैं।

कोनासीमा जिले में स्वीकृत, तैनात और रिक्त स्वास्थ्य कर्मियों का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	पद का नाम	संस्वीकृत	तैनात	रिक्त
1.	सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ)	23	18	5
2.	स्टाफ़ नर्स	138	126	12
3.	पब्लिक हेल्थ नर्स (एनटी)	29	20	9
4.	फार्मासिस्ट	46	42	4
5.	लैब तकनीशियन	47	45	2

(घ): राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, कोनासीमा जिले में डॉक्टर-रोगी और नर्स-रोगी अनुपात क्रमशः 1:21279 और 1:13173 है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) स्वास्थ्य अवसंरचना में सुधार करने, स्वास्थ्य सुविधाओं में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित और हाशिए पर पड़े समूहों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता और पहुँच में सुधार के लिए सहायता प्रदान करता है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय एनएचएम के तहत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर जन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। भारत सरकार मानदंडों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार कार्यवाही के रिकॉर्ड (आरओपी) के रूप में प्रस्तावों के लिए अनुमोदन प्रदान करती है।

भारत सरकार ने देश भर के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में उत्तम सेवा प्रदान करने हेतु चिकित्सा पेशेवरों को प्रोत्साहन और मानदेय के रूप में कई पहल की हैं, जिनमें शामिल हैं:

i. ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सेवा देने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों को हार्ड एरिया भत्ता और उनके आवासीय क्वार्टरों के लिए भत्ता दिया जाता है ताकि उन्हें ऐसे क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाकेंद्रों में सेवा करना आकर्षक लगे।
ii. राज्यों को विशेषज्ञों को आकर्षित करने के लिए "यू कोट, वी पे" जैसी कार्यनीतियों में लचीलेपन सहित बातचीत से तय वेतन की पेशकश करने की भी अनुमति है।

iii. दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश में वरीयता और ग्रामीण क्षेत्रों में आवास व्यवस्था में सुधार जैसे गैर-मौद्रिक प्रोत्साहन भी एनएचएम के तहत शुरू किए गए हैं।

iv. एनएचएम के तहत व्यापक आपातकालीन प्रसूति एवं नवजात देखभाल (सीईएमओएनसी) और जीवन रक्षक एनेस्थीसिया कौशल (एलएसएएस) जैसे विशेषज्ञों की कमी को दूर करने के लिए डॉक्टरों के बहु-कौशल को समर्थन दिया जाता है।

(ङ) और (च) : यह मंत्रालय एनएचएम के तहत 'निःशुल्क निदान सेवा पहल' कार्यक्रम, जिसका उद्देश्य समुदाय के समीप सुलभ और वहनीय पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल डायग्नोस्टिक्स सेवाएं प्रदान करना है, जिससे जेबी खर्च (ओओपीई) में कमी आती है, में सहयोग करता है। आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले सहित देश भर में जन स्वास्थ्य सुविधाओं के सभी स्तरों पर निदान सेवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं [एसएचसी में 14 परीक्षण, पीएचसी में 63, सीएचसी में 97, एसडीएच में 111 परीक्षण और जिला अस्पतालों में 134 परीक्षण]।

15वें-वित्त आयोग ने आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु स्थानीय सरकार के माध्यम से पांच वर्षों (2021-2026) की अवधि में कुल 70,051 करोड़ रुपये के अनुदान की सिफारिश की है। वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 तक आंध्र प्रदेश राज्य के लिए 15वें-वित्त आयोग स्वास्थ्य अनुदान के तहत कुल 2601.32 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। 15वें-वित्त आयोग अनुदान के तहत, अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण हेतु कोनासीमा जिले के लिए 7 बीपीएचयू (ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट) को अनुमोदित किया गया है।

(छ): स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के लिए डिजिटल क्रियाकलाप शुरू किए गए हैं, जिसमें ई-संजीवनी-राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा वीडियो परामर्श के माध्यम से दूरस्थ स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ई-संजीवनी को दो प्रकारों में कार्यान्वित किया जाता है: ई-संजीवनी ओपीडी, जो सीधे रोगी से डॉक्टर के वीडियो परामर्श को सक्षम बनाता है और ई-संजीवनी एबी-एएएम (आयुष्मान आरोग्य मंदिर), जो डॉक्टर से डॉक्टर तक टेलीकंसल्टेशन की सुविधा देता है, जिससे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता उच्च-स्तरीय अस्पतालों में विशेषज्ञों से विशेषज्ञ सलाह ले सकते हैं।

दिनांक 06.03.2025 की स्थिति के अनुसार, आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले में, ई-संजीवनी एएएम में हब के रूप में परिचालित 42 स्पोक कम हब और 514 स्पोक, जो कि 514 चिकित्सकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित हैं, के माध्यम से 13,16,692 टेली-परामर्श आयोजित किए गए हैं।

******